BEFORE THE HON'BLE NATIONAL GREEN TRIBUNAL

At Principal Bench, New Delhi

Submission by Applicant

In

ORIGINAL APPLICATION NO. 418 OF 2025

IN THE MATTER OF

Priyank Bharati **------APPLICANT IN PERSON**
Versus
Union of India and others **-----RESPONDENTS**

INDEX

S.No	Particulars	Page No
1.	Submission by Applicant	1-2
2.	Annexure 1	3-5
3.	Annexure 2	6

Date : 19.09.2025

Place : Meerut

Priyank Bharati
(Applicant in Person)

BEFORE THE HON'BLE NATIONAL GREEN TRIBUNAL
At Principal Bench, New Delhi

Submission by Applicant

In

ORIGINAL APPLICATION NO. 418 OF 2025

IN THE MATTER OF

Priyank Bharati **------APPLICANT IN PERSON**

Versus

Union of India and others **----- RESPONDENTS**

Submission by Applicant

MOST RESPECTFULY SHOWETH;

I, Priyank Bharati aged about 36 years R/O Jagriti Vihar Meerut-250004, UP hereby solemnly affirm and declare as under:

1. That Honourable NGT registered Original Application No. 436/2025, *suo-motu* on the basis of the news item titled "Building boom put vulnerable Gangotri Dham at risk: Experts" appearing in The Hindustan Times dated 08.08.2025. The copy of Honourable Tribunal order dated 1 Sept 2025 is attached herewith and marked as ANNEXURE 1.
2. That on **19th September, 2025**, the *Hindustan* Newspaper, Dehradun edition, published a news article titled *"**Nadi ke beech bna resort laya tabahi**"*. A copy of the said news report is annexed herewith and marked as **Annexure–2.**

For all the reasons stated above the Hon'ble Tribunal may kindly be pleased to take cognizance of all these facts and to pass appropriate orders to meets the ends of Justice and equity.

AND FOR THIS ACT OF KINDNESS THE APPLICANTS, AS IN DUTY BOUND, SHALL EVER PRAY.

Verification

Verified on this 19th day of September 2025 that the contents of the present Application are true and correct to my knowledge and belief and nothing material is concealed therefrom.

Priyank Bharati

Applicant in Person

Item No. 03 Court No. 1

BEFORE NATIONAL GREEN TRIBUNAL
PRINCIPAL BENCH, NEW DELHI

Original Application No. 436/2025

News Item titled "Building boom put vulnerable Gangotri Dham at risk: Experts" appearing in The Hindustan Times dated 08.08.2025

Date of hearing: 01.09.2025

CORAM: **HON'BLE MR. JUSTICE PRAKASH SHRIVASTAVA, CHAIRPERSON**
HON'BLE DR. A. SENTHIL VEL, EXPERT MEMBER
HON'BLE MR. ISHWAR SINGH, EXPERT MEMBER

ORDER

1. This Original Application is registered *suo-motu* on the basis of the news item titled "Building boom put vulnerable Gangotri Dham at risk: Experts" appearing in The Hindustan Times dated 08.08.2025.

2. The matter relates to unregulated and rapid construction along the Uttarkashi–Gangotri route in Uttarakhand, which experts warn is endangering the ecologically fragile Gangotri Dham region. The article states that the landscape around the 80km stretch that links Uttarkashi town to Ganagotri Dham has transformed rapidly in three decades. The article further mentions that what was once a small, quiet road has now turned into a busy two-lane road, lined with hotels, resorts, and shops to serve the growing number of tourists. The article mentions that this change has come with unplanned construction, cutting down of trees, and blockages in the Bhagirathi River that disturb its natural flow, experts said after the devastating Uttarkashi flash floods. Dozens of new constructions were built on the floodplains of the glacier-fed streams. The article mentions that, as per a local resident, buildings were constructed

wherever space was available in Dharali, even on the Kheer Ganga floodplain, with no monitoring or control. He added that the old Dharali village is situated about 500 metres above the disaster-affected area. As per the article The Bhagirathi Eco Sensitive Zone (ESZ), in which Dharali falls, guidelines prohibit any construction within 100m of the Bhagirathi river and had instructed the local administration to declare no-go zones for construction in 4,179 sqm of the ESZ. The guidelines also called for demarcation of flood plain zones in the area. Further, the article mentions that, as per the panchayat head, more than 500 homestays have been set up in recent years between Uttarkashi and Gangotri, with most located along the Bhagirathi River and several on floodplains. She stated that there has been a sharp rise in homestays, summer tents, hotels, and resorts along the route, now catering to thousands of visitors each day. As per the article building norms in this area are often violated.

3. The above matter indicates violation of the provisions of the Environment (Protection) Act, 1986, Solid Waste Management Rules, 2016, Disaster Management Act, 2005 and River Ganga (Rejuvenation, Protection and Management) Authorities Order, 2016.

4. The news item raises substantial issues relating to compliance of the environmental norms and implementation of the provisions of scheduled enactment.

5. Power of the Tribunal to take up the matter *suo-motu* has been recognized by the Hon'ble Supreme Court in the matter of *"Municipal Corporation of Greater Mumbai vs. Ankita Sinha & Ors."* reported in *2021 SCC Online SC 897*.

6. Hence, we implead the following as respondents in the matter:

i. Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Dehradun, 25, Subhash Road, Dehradun – 248001;

ii. Department of Urban Development, Uttarakhand, 31/62 Rajpur Road, Dehradun, Uttarakhand-248001; and

iii. District Magistrate, Uttarkashi, DM Office, Uttarkashi.

7. Issue notice to the above respondents for filing their response/reply by way of affidavit at least one week before the next date of hearing. If any respondent directly files the reply without routing it through his advocate, then the said respondent will remain virtually present to assist the Tribunal.

8. List on 27.11.2025.

Prakash Shrivastava, CP

Dr. A. Senthil Vel, EM

Ishwar Singh, EM

September 01, 2025
Original Application No. 436/2025
R

• खून की कमी • पेडू में दर्द • कमर कटना • तनाव • चिड़चिड़ापन
90 वर्षों से महिलाओं की No.1 औषधि व टॉनिक
• कमज़ोरी • हथेली व तलवों में जलन • खून साफ़ करे • रूप निखारे
आदि में सहायक

पूरे माह रहें एक्टिव, फिट व स्वस्थ
हेमपुष्पा
Helpline: 011-23261111

डीएम सविन बंसल ने बांडावाली खैरी मानसिंह में नदी के रास्ते में बाधा बने रिजॉर्ट के निर्माण की जांच कराए जाने की संस्तुति की

मालदेवता: नदी के बीच बना रिजॉर्ट लाया तबाही

देहरादून, प्रमुख संवाददाता। दून के मालदेवता क्षेत्र में अवैध निर्माण और रिजॉर्ट बनाकर रास्ता रोकने पर नदी ने रुख बदला। इससे तबाही मची। यहां छह करोड़ रुपये से अधिक की सरकारी सपंत्ति का नुकसान हुआ है। प्रशासन की जांच में यह खुलासा हुआ है। डीएम सविन बंसल ने इस बाबत उच्चस्तरीय जांच की संस्तुति की है। प्रशासन जल्द अतिक्रमण से सरकारी-निजी संपत्ति को करोड़ों का नुकसान पहुंचाने वालों पर कार्यवाही करने की तैयारी में है।

जानकारी के अनुसार, गत 15 और 16 सितंबर को अतिवृष्टि ने यहां तबाही मचाई थी। मालदेवता क्षेत्र में नदी का जलस्तर बढ़ा। तमाम अवरोधों के कारण नदी का रुख बदल गया। यह जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी सविन बंसल ने आपदाग्रस्त क्षेत्र केसरवाला, मालदेवता, बांडावाली एवं खैरी मानसिंह में बचाव कार्यों का जायजा लिया। प्रशासन की जांच में पता चला है कि मालदेवता क्षेत्र के किसनपुर बांडावाली में नदी का रुख मोड़कर अनाधिकृत तरीके से रिजॉर्ट बनाने वाले की लापरवाही से तबाही आई। रिजॉर्ट मालिक के विरुद्ध जिला प्रशासन की ओर से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीएम सविन बंसल ने बताया कि किसनपुर बांडावाली में नदी का रुख मोड़कर रिजॉर्ट बनाया गया। इस कारण यहां 150 मीटर सड़क बह गई। पुलों एवं सरकारी सम्पतियों को भारी नुकसान पहुंचा। छह करोड़ से अधिक की सरकारी सपंत्ति का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि नदी के किनारे अनाधिकृत निर्माण की उच्चस्तरीय जांच होगी। डीएम ने लोक निर्माण विभाग को क्षतिग्रस्त सड़क एवं पुलों की एप्रोच ठीक करने के निर्देश दिए हैं।

दून के मालदेवता क्षेत्र में आपदा के बाद गुरुवार को जिलाधिकारी सविन बंसल ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। • हिन्दुस्तान

"मालदेवता क्षेत्र में रिजॉर्ट और अवैध निर्माण से नदी का रुख बदला। इससे तबाही मची थी। इसकी उच्चस्तरीय जांच होगी। जिसकी लापरवाही होगी, उस पर कार्रवाई की जाएगी। अतिवृष्टि के कारण कुमाल्डा- द्वारा गांव झूला पुल की एप्रोच धंस गई थी। यहां खेल मैदान भी बहा है। लोनिवि की ओर से यहां सड़क सुचारु कर दी गई है। नदी को चैनलाइज करने के बाद पुल की एप्रोच रोड को शीघ्र ठीक कराने के निर्देश दिए गए हैं। मसूरी क्षेत्र से इमरजेंसी वाले 13 मरीजों को इलाज के लिए दून शिफ्ट कराया गया है।
–सविन बंसल, डीएम

सहस्रधारा में बेतरतीब निर्माण ने बढ़ाया आपदा का दंश

सूरतेहाल

- बढ़ते निर्माण, खनन, भूगर्भीय स्थिति की उपेक्षा से बढ़ रही आपदा
- विकास कार्यों में भूवैज्ञानिक राय को किया जा रहा है नजरअंदाज

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण-जीएसआई के सेवानिवृत्त निदेशक डॉ. यूएस रावत का मानना है कि बढ़ते निर्माण, खनन और भूगर्भीय स्थितियों की उपेक्षा करने से राज्यभर में हर साल आपदाओं की बड़ी घटनाएं सामने आ रही हैं। धराली, थराली, नंदानगर और देहरादून जिले के सहस्त्रधारा एवं मालदेवता में नदी किनारे हुए निर्माण कार्यों में भौगोलिक स्थिति एवं भूवैज्ञानिक राय को दरकिनार किया गया है।

'हिन्दुस्तान' से विशेष बातचीत में डॉ. रावत ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के कई रूप हो सकते हैं। जान-माल की लगातार हो रही हानि को कम करने के साथ ही राहत कार्यों की नौबत न आए, इसके लिए समय रहते उपाय जरूरी है। राज्यभर का बड़ा हिस्सा यानी भूआकृति, भूकंप और भू-पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील है। इस सच्चाई को बदला नहीं जा सकता। हिमालय भू-आकृति रूप से अस्थिर क्षेत्र है। इसमें भूमि का प्राकृतिक विघटन और निर्माण होता है।

ऊपर से यहां अनियोजित व अनियंत्रित विकास ने आपदा की मार को ओर तीखा कर दिया है। सहस्त्रधारा की नई एवं पुरानी तस्वीर इस बात की गवाह है कि हम किस कदर अनियंत्रित विकास की होड़ कर रहे हैं। यह अंततः हमारे लिए ही दुखदायी है। यह सत्य है कि अनियोजित विकास पर अंकुश लगाने, हानिकारक असर को आंकने और समय पर प्रभावी उपाय करने में हमारी प्रशासनिक इकाइयां विफल रही हैं। नए एवं सामान्य निर्माण कार्यों में भी अब पारम्परिक ज्ञान को भुलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह समझना जरूरी है कि पहाड़ों में विकास के लिए निर्माण कार्यों की अपनी सीमाएं हैं। इनको लांघना असुरक्षित और भारी पड़ सकता है। तकनीकी मानकों के अनुसार काम किया जाना प्राथमिकता होनी चाहिए। उत्तराखंड के कठिन पहाड़ी क्षेत्रों का विकास, जो एक नए राज्य का मुख्य मुद्दा था, यहां की प्राकृतिक स्थिति के अनुसार अधिकतर काम नहीं हो रहे। इस विकासशील पहाड़ी राज्य में यदि प्रकृति के साथ अवैज्ञानिक हस्तक्षेप भी जारी रहा तो भविष्य में भूस्खलन जैसी घटनाएं बढ़ सकती हैं।

'नदी किनारे बस्तियों के संरक्षक कुछ नेता'

देहरादून। दून में रिस्पना-बिंदाल नदी के किनारे मौत के मुहाने पर बसी बस्तियों को हटाने को लेकर कई बार तैयारी हुई। नेताओं के अड़ंगों के चलते बस्तियां हट नहीं पाई। वोट बैंक की राजनीति के कारण नेताओं ने बस्तियों को संरक्षण दिया है। दून में रिस्पना और बिंदाल के किनारे दशकों से कब्जे हो रहे हैं। इससे नदियों का स्वरूप बदल गया। इधर, नगर आयुक्त नमामी बंसल ने बताया कि बिंदाल किनारे जो लोग अवैध रूप से बसे हैं, उनका सर्वे हो चुका है। जल्द ही कार्रवाई शुरू होगी। रिस्पना किनारे 2016 के बाद के निर्माण हटा दिए हैं।

फुलेत गांव में घायल शुभम को हेलीकॉप्टर से गुरुवार को रेस्क्यू किया गया। • हिन्दुस्तान

फुलेत में फंसे सैकड़ों परिवार, इलाज भी दुश्वार

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। फुलेत गांव में आपदा के बाद दुश्वारियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। यहां गंभीर रूप से बीमार शुभम को चार दिन तक उपचार नहीं मिल पाया। गुरुवार शाम हेलीकॉप्टर से एयर लिफ्ट करके उसे दून के अस्पताल तक पहुंचाया गया।

600 से अधिक आबादी वाला यह गांव अब खतों और सड़कों पर जमे मलबे और जल संकट समेत तमाम चुनौतियों से जूझ रहा है। ग्राम प्रधान जयकृष्ण ममगाईं के अनुसार, यहां अतिवृष्टि के चलते 10 दुकानें, एक पिकअप और कई दोपहिया वाहन बह गए। आधी से अधिक खेती-बाड़ी नष्ट हो गई। अदरक की फसल तक पानी में बह गई। सतीश ममगाईं ने कहा कि यहां जीवन थम-सा गया है। यही नहीं, पानी की लाइनें बह चुकी हैं। लोग गदेरे का पानी पीने को मजबूर हैं। गांव का चौराहा 'बैंकली' मलबे में तब्दील है। मोहन लाल ममगाईं और विशालमणि ममगाईं की दुकानें बह गईं। उन्होंने बताया कि जहां छह श्रमिक रुके हुए थे, अब वहां 50 फीट गहरा गड्ढा बन गया है। वहीं, पूर्व ग्राम प्रधान हरदयाल सिंह समेत पांच परिवारों को दूसरे घरों में शिफ्ट किया गया है। इनमें भावना दत्त काला, जीतराम काला, मोहनलाल डबराल और भावना दत्त डबराल के परिवार भी शामिल हैं। बता दें कि आपदा के चलते गदेरा का रुख अब इनके मकानों से होकर जा रहा है, जिससे हर पल मकानों पर खतरा बना हुआ है।

10 दुकान, एक पिकअप और कई दोपहिया वाहन अतिवृष्टि में बह गए थे

05 घर खतरे की जद में, परिवारों को दूसरी जगह शिफ्ट किया

बिजली और पानी की सप्लाई अब तक ठप

आपदा ने इस गांव की बुनियादी सुविधाओं को तहस-नहस कर दिया। बिजली और पानी की सप्लाई ठप है। पंचायत भवन भी क्षतिग्रस्त है। अतिवृष्टि के दौरान कई घरों में पानी घुसने से राशन भी बर्बाद हो गया। बुधवार को यहां हेलीकॉप्टर के जरिये राशन पहुंचाया गया था। स्थानीय लोग राहत के इंतजार में हैं।

सहारनपुर के 6 श्रमिकों में से तीन के शव बरामद

फुलेत से लापता मिथुन, श्यामलाल और विकास के शव बरामद हो गए हैं। यह शव गांव से करीब 25 किलोमीटर दूर सौड़ा सरौली के पास सौंग में मिले। एसओ रायपुर गिरीश नेगी ने बताया कि सचिन, सुरेंद्र कुमार, धर्मेंद्र लापता हैं। सभी सहारनपुर के रहने वाले हैं।

आपदा प्रभावितों की समस्याओं को सुना

देहरादून। दर्जाधारी राज्यमंत्री भगवत प्रसाद मकवाना ने गुरुवार को सिंचाई विभाग के अफसरों को साथ लेकर आपदा प्रभावित क्षेत्र करनपुर खटीक मोहल्ले का दौरा किया। प्रभावितों की समस्याएं सुनीं। अफसरों को समाधान को कहा।

उन्होंने कहा कि आपदा में कई लोग घर गंवा चुके हैं। इस मौके पर राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के महामंत्री राजेश राजौरिया, भाजपा करनपुर मंडल उपाध्यक्ष कुलवंत सूद, राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी विनोद घाघट, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव राजौरी, प्रदेश उपाध्यक्ष विक्रम टांक, प्रदेश सचिव संयम कुमार, प्रदेश सचिव अमन समेत कई लोग मौजूद रहे।

मसूरी से देहरादून तक रात को तेज बारिश से दहशत

- मसूरी में 117 एमएम व देहरादून में करीब 83 एमएम तक बारिश दर्ज

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। मसूरी से दून तक बुधवार रात और गुरुवार सुबह तेज बारिश से लोग दहशत में आ गए। बीते दिनों आपदा की वजह से कई इलाकों में लोग मुसीबत में पड़ गए थे। लिहाजा, इन दिनों स्थिति यह है कि थोड़ी बारिश में लोग सहम जा रहे हैं। मसूरी, मालदेवता, सहस्त्रधारा, प्रेमनगर और डालनवाला संवेदनशील हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक, 24 घंटे के भीतर नरेंद्रनगर में सबसे ज्यादा 175 एमएम बारिश हुई। देहरादून जिले में मसूरी में 117, दून में 83, हरिपुर में 69.8, ऋषिकेश में 44.2, जौलीग्रांट में 25.8, मोहकमपुर में 73.5 मालदेवता में 40, कालसी में 33.5, हाथीबड़कला में 22 एमएम बारिश दर्ज की गई।

प्रदेश में लौटता मानसून ला रहा आफत: उत्तराखंड में इन दिनों मानसून सीजन आखिरी दौर में है। लौटता मानसून तेजी से बरस रहा है। उत्तराखंड में एक सप्ताह के भीतर सामान्य से 89 फीसदी ज्यादा यानी 87.5 एमएम बारिश हुई है। उत्तराखंड में इस मानसून सीजन में अब तक सामान्य से 25 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है।

दून समेत छह जिलों में बारिश का अलर्ट

देहरादून। दून समेत छह जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। बाकी जिलों में बारिश का तेज दौर चल सकता है।

मौसम निदेशक डॉ. सीएस तोमर ने इस बाबत गुरुवार को वीडियो संदेश भी जारी किया। उन्होंने बताया कि 18 सितंबर को प्रदेश के कई इलाकों में अच्छी बारिश हुई। शुक्रवार को देहरादून, टिहरी, पौड़ी, नैनीताल, चंपावत, पिथौरागढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश के आसार बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में 20 से 24 सितंबर तक हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। दून में गुरुवार को अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

देहरादून के रायपुर स्थित सीएचसी से गुरुवार को सरखेत पहुंची मेडिकल टीम।

सड़कें बंद, अस्पतालों में 25% तक घट गए मरीज

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। उत्तराखंड में आपदा के चलते दून समेत कई जगह सड़कें बाधित हैं। इस कारण मरीजों को अस्पताल तक पहुंचने में परेशानी हो रही है। इसका असर ओपीडी पर पड़ रहा है। इन दिनों दून अस्पताल समेत तमाम स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों की संख्या में 25 प्रतिशत तक की कमी आ गई है।

दून अस्पताल के पंजीकरण प्रभारी विनोद नैनवाल के अनुसार, पिछले एक महीने से ओपीडी में रोज औसतन 2600 से अधिक मरीज आ रहे थे। पर 18 सितंबर को यह संख्या घटकर 1930 रह गई। इससे पहले, 11 सितंबर को 2645, 12 को 2710, 13 को 2556, 15 को 2812, 16 को 2509 और 17 सितंबर को 2086 मरीज आए। वहीं, कोरोनेशन अस्पताल की ओपीडी भी प्रभावित हुई है। पहले जहां रोजाना 800 मरीज देखे जा रहे थे, अब यह संख्या घटकर 600 रह गई है।

ऑपरेशन की संख्या भी घटी: दून अस्पताल में गुरुवार को पंजीकरण काउंटर से लेकर जांच, डॉक्टरों और फार्मेसी तक हर जगह सामान्य से कम भीड़ देखी गई। पहाड़ी क्षेत्रों से मरीज नहीं आने पर ऑपरेशन की संख्या में भी कमी आई है। पहले जहां रोज 65 से 70 ऑपरेशन होते थे, अब यह संख्या घटकर 55 तक आ गई है।

एहतियात | स्वास्थ्य विभाग की ओर से मालदेवता के आपदाग्रस्त इलाकों की गर्भवती महिलाएं चिन्हित की गईं

आपदा के साये में जन्मेंगे सात नवजात

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। मालदेवता के आपदाग्रस्त इलाकों से गर्भवती महिलाओं को समय रहते अस्पताल या सुरक्षित जगह ले जाने का अभियान शुरू हो गया है। ऐसी सात महिलाओं को चिन्हित किया गया, जिनका प्रसव दस दिन के भीतर होना है।

सीएमओ डॉ. मनोज शर्मा के निर्देश पर रायपुर सीएचसी के सीएमएस डॉ. प्रताप रावत ने आपदा प्रभावित इलाकों में गर्भवती महिलाओं को चिन्हित किया। उनके अनुसार, सड़क से लगभग आठ किमी दूर लडवाकोट की नीलम का प्रसव 25 सितंबर को संभव है, जिन्हें शुक्रवार को लाया जाएगा। झालकी निवासी पूनम 15 सितंबर को अस्पताल पहुंची थीं, उनका प्रसव 23 सितंबर को हो सकता है। सिल्ला सेरा की पायल का प्रसव 29 सितंबर को संभव है। उनको शुक्रवार को आशा कार्यकर्ताओं की मदद से मसूरी अस्पताल भिजवाया जाएगा। कांडा निवासी भावना को आशा कंचन बाला रायपुर अस्पताल लेकर जाएंगी। वहीं, फुलेत गांव की एक महिला ने 16 सितंबर को रायपुर अस्पताल में बेटे को जन्म दिया। सड़क बंद होने की आशंका के चलते वे दो महीने पहले ही अपने मायके द्वारा गांव आ गई थीं। अब परिवार में खुशी का माहौल है।

आपदा के दिन ही दून पहुंची: सुआखोली सड़क से लगभग दो किमी दूर झालकी गांव निवासी नवीन की पत्नी पूनम का प्रसव 23 सितंबर को संभव है। वे आशा वर्कर अनीता रावत के साथ सोमवार को ही नथुवावाला पहुंच गईं थीं, जबकि मंगलवार को सारे रास्ते बंद हो गए। वे शुक्रवार को अस्पताल जाएंगी। विभागीय टीम उनके संपर्क में है।

फुलेत जा रही मेडिकल टीम सरखेत में अटकी

रायपुर अस्पताल से सीएमएस डॉ. प्रताप रावत और मेडिकल ऑफिसर डॉ. एमए बट्ट की टीम गुरुवार को फुलेत के लिए एंबुलेंस संग निकली थी। लेकिन, सेरकी में एंबुलेंस खड़ी करनी पड़ी और वे सरखेत तक ही पहुंचे। फुलेत का रास्ता असुरक्षित होने के कारण टीम लौट आई।

आपदा के बाद गर्भवती सुरक्षित जगह पहुंचीं

मजाड़ा कारलीगाड़ निवासी निशा का प्रसव 28 सितंबर को संभव है और सपना का प्रसव भी होना था। उनको आपदा के बाद नागल क्षेत्र में सुरक्षित स्थान लाया गया है। आशा वर्कर सुनीता रावत देखरेख कर रही हैं। सुवाखोली की रोजी को मसूरी के पास रहने का सुझाव दिया गया है।

मुसीबत

मालदेवता क्षेत्र में आपदा के बाद गुरुवार को नदी किनारे मलबा हटाया गया।

दून में आपदा से मरने वालों का आंकड़ा 24 तक पहुंचा

- फुलेत में मलबे में दबे व बहने वाले तीन लोगों के शव मिले
- मजाड़ा में मलबे में दबे लोगों का सुराग नहीं लग सका

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। दून में अतिवृष्टि और मलबे में दबने-बहने से हुई लोगों की मौत का आंकड़ा बढ़कर 24 पहुंच गया है। फुलेत में तीन लोगों के शव मिल चुके हैं। आपदा प्रभावित गांवों में बिजली-पानी आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है।

गत 17 सितंबर की प्रशासन के अनुसार 22 लोगों के शव मिले हैं और 15 लोग लापता थे। 18 सितंबर को दो शव और मिले। इससे मौत का आंकड़ा 24 हो गया। वहीं, लापता 14 लोगों की तलाश में अभियान चलाया गया। फुलेत गांव में छह लोगों में से तीन के शव मिल गए हैं। दो शव 17 सितंबर को रायपुर क्षेत्र में मिले थे। सोंग नदी में युवक का शव मिला है। मृतकों की पहचान धर्मेंद्र कुमार, श्यामलाल व विकास के रूप में हुई है। विकासनगर में लापता नीता निवासी संभल का शव मिला है। एसओ रायपुर गिरीश नेगी ने बताया कि सचिन, सुरेंद्र कुमार और मिथुन लापता हैं। विकासनगर में 14 में से 11 लोगों के शव बरामद हो गए हैं।

आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सुविधा जुटाने के निर्देश

डीएम सविन बंसल ने आपदा के प्रभावित क्षेत्र में पानी, विद्युत आपूर्ति को लेकर अधिकारियों से जानकारी ली। वहीं आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, विद्युत लाइनों को शीघ्र सुचारु करने को लेकर अपर जिलाधिकारी केके मिश्रा ने आपदा कंट्रोल रूम में बैठक ली। अपर जिलाधिकारी केके मिश्रा ने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था बनाई जाए। प्रभावित गांवों एवं राजपुर रोड आदि क्षेत्रों में पेयजल संकट वाले स्थानों पर टैंकर एवं वैकल्पिक व्यवस्था से पैदल आपूर्ति हो। उन्होंने विभागों को क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों को तत्काल रिस्टोर करने के निर्देश दिए।

आपदा प्रभावित फुलेत गांव में अतिवृष्टि से हुआ कटाव।

छुट्टी छोड़ खाना पहुंचाने के लिए खतरा उठा रहे शिक्षक

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। समाज को शिक्षा की रोशनी देने वाले शिक्षक आपदा के वक्त में भी लोगों के साथ खड़े हैं।

सहस्त्रधारा और उसके आसपास के स्कूलों में तैनात कई शिक्षक मंगलवार सुबह से रोजाना समय पर स्कूल पहुंच रहे हैं। उसके बाद आसपास के इलाकों में जाकर पीड़ितों की मदद कर रहे हैं। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र रावत ने बताया कि पूर्व माध्यमिक विद्यालय चामासारी में स्कूल के चारों कमरे खोलकर शेल्टर बनाया गया है। इसमें 46 लोगों के लिए पिछले तीन दिन से शिक्षक भोजन-पानी की व्यवस्था कर रहे हैं। रोजाना शिक्षक भोजन आदि लेकर वहां पहुंच रहे हैं। पहले दो दिन अक्षय पात्र की मदद से लोगों को भोजन दिया गया। गुरुवार को भोजन की व्यवस्था हंस कल्चरल सेंटर के सहयोग से की गई। इसे शिक्षकों ने गांवों में बांटा। पानी भी पहुंचाया जा रहा है। मदद पहुंचाने वालों में हंस कल्चरल सेंटर के कार्यकारी योगेश सुन्द्रियाल, दिनेश, अनुराग चौहान, ममता बडोनी, संतोष रावत, सुमेर चंद मराठा, राकेश जवाड़ी, आकाश जवाड़ी, आर्यन भण्डारी व संजू राणा शामिल रहे।

STATE INRASTRUCTURE & INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION OF UTTARAKHAND LTD.
Regional office, 5th Floor, Pentagon Mall, IIE SIIDCUL Haridwar
Phone No. 01334-235010 Web site: www.siidcul.com
Tender Notice
सिडकुल के औद्योगिक आस्थानों हरिद्वार में रोड पैच वर्क व नाली की मरम्मत कार्य हेतु इच्छुक बोलीदाता के चयन हेतु कुल 02 नग निविदायें दिनांक 16.10.2025 के अपरान्ह 02.00 बजे तक e-tendering द्वारा आमंत्रित की गयी है। विस्तृत निविदा नोटिस सिडकुल की वेबसाईट www.siidcul.com एवं www.uktenders.gov.in पर दिनांक 19.09.2025 से देखी जा सकती। इस सम्बन्ध में यथा आवश्यक Corrigendum केवल उक्त Website पर ही upload किये जायेंगे।
Regional Manager

anandam